दिल्ली पब्लिक स्कूल

सेल टाउनशिप, राँची

अभ्यास परीक्षा – I (2017-18)

कक्षा– बारहवीं | विषय–हिन्दी

समय–3 घंटे | पूर्णांक– 100

खण्ड – क (अपठित अवबोधन)

प्र0 1 नीचे लिखे काव्यांष को पढ़कर प्रष्नों के उत्तर लिखें।

पैदा करती कलम विचारों के जलते अंगारे
और प्रज्वलित प्राण देष क्या कभी मरेगा मारे?
लहू गर्म करने को रखो मन मे ज्वलित विचार
हिंस्र जीव से बचने को चाहिए किन्तु तलवार।
एक भेद है और जहाँ निर्भय होते नर नारी
कलम उगलती आग जहाँ–अक्षर बनते चिंगारी
जहाँ मनुष्यों के भीतर हरदम जलते हैं षोले
बातों में बिजली होती, होते दिमाग में गोले।
जहाँ लोग पालते लहू में हालाहल की धार
क्या चिंता यदि वहाँ हाथ में हुई नहीं तलवार।

(क) कलम किस बात का प्रतीक है? [1]

(ख) तलवार की आवष्यकता कब और कहाँ पड़ती है? [1]

(ग) लहू को गर्म करने से कवि का क्या आषय है? [1]

(घ) कैसे व्यक्ति को तलवार की आवष्यकता नहीं होती? [1]

(ङ) तलवार कब अपरिहार्य हो जाती है? [1]

प्र0 2 गद्यांष पढ़कर नीचे दिए गए प्रष्नों के उत्तर लिखें।

साहित्य की षाष्वतता का प्रष्न एक महत्त्वपूर्ण प्रष्न है। क्या साहित्य षाष्वत होता है? यदि हाँ तो किस मायने में? क्या कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है, जितना वह अपने रचना के समय था? अपने समय का या युग का निर्माता साहित्यकार क्या सौ वर्ष बाद की परिस्थितियों का भी युग का निर्माता हो सकता है? समय बदलता रहता है, परिस्थितियाँ और भावबोध बदलते हैं, साहित्य बदलता' है और इसी के समानान्तर पाठक की मानसिकता और अभिरूचि भी बदलती है। अतः कोई भी कविता अपने सामयिक परिवेष के बदल जाने पर ठीक वही उत्तेजना उत्पन्न नहीं कर सकती जो उसने अपने रचनाकाल के दौरान की होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि एक विषेष प्रकार के साहित्य के श्रेष्ठ अस्तित्व मात्र से वह साहित्य हर युग उतना ही विषेष आकर्षण रखे, यह आवष्यक नहीं है। यही है कि वर्तमान युग में इंगला–पिंगला , सुषुम्ना, अनहद, नाद आदि पारिभाषिक षब्दावली मन में विषेष भावोत्तेजन नहीं करती। साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है। उसकी श्रेष्ठता का युगयुगीन आधार हैं, वे जीवनमूल्य तथा उनकी अत्यंत कलात्मक अभिव्यक्ति जो मनुष्य की स्वंत्रता तथा उच्चतर मानवविकास के

कृ0पृ0उ0

लिए पथप्रदर्षक का काम करती है। पुराने साहित्य का केवल वही श्री सौंदर्य हमारे लिए ग्राह्य होगा, जो नवीन जीवन मूल्यों के विकास में सक्रिय योगदान दें अथवा स्थिति रक्षा में सहायक हो। कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को अस्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि साहित्यकार निरपेक्ष होता है और उसपर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए। किन्तु वे भूल जाते हैं कि साहित्य के निर्माण की मूल प्रेरणा मानव जीवन में ही विद्यमान रहती है। जीवन के लिए उसकी सृष्टि होती है। तुलसीदास जब स्वांतःसुखाय काव्य रचना करते हैं, तब अभिप्राय यह नहीं रहता कि मानव जीवन के लिए इस रचना का कोई उपयोग नहीं है, बल्कि उनके अंतःकरण में संपूर्ण संसार की सुखभावना एवं हितकामना सन्निहित रहती है। जो साहित्यकार अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को व्यापक लोक जीवन में सन्निविष्ट कर देता है उसी के हाथों स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य का सृजन हो सकता है।

(क) गद्यांष के लिए एक उपयुक्त षीर्षक दें। **[1]**

(ख) पुराने साहित्य के प्रति अरूचि का क्या कारण है? **[2]**

(ग) जीवन के विकास में पुराने साहित्य का कौन सा अंष स्वीकार्य है और कौन सा नहीं। **[2]**

(घ) साहित्य की षाष्वता का आषय स्पष्ट करते हुए बताइए कि यह षाष्वत होता है कि नहीं? **[2]**

(ङ) सामयिक परिवेष बदलने का कविता पर क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों? **[2]**

(च) साहित्य की श्रेष्ठता का आधार क्या है? **[2]**

(छ) कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता अस्वीकार की भूल किस तरह करते हैं? यह किस तरह अनुचित है? **[2]**

(ज) निर्देषानुसार उत्तर दें– **[2]**

(i) 'भावोत्तेजना' एवं 'समानान्तर' षब्दों का संधिविच्छेद करें।

(ii) 'जीवनमूल्य' 'इंगला–पिंगला' षब्दों का विग्रह करके समास भेद बताएँ।

खण्ड – ख

प्र0 3 किसी एक विषय पर निबंध लिखें– **[5]**

(क) फिल्मों का सामाजिक दायित्व **(ख)** कंप्यूटर की उपयोगिता

(ग) आतंकवाद **(घ)** परोपकार

प्र0 4 पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखकर सार्वजनिक स्थलों पर 'धूम्रपान निषेध' कानून का सरेआम उल्लंघन किये जाने की षिकायत करें। **[5]**

अथवा

दूरदर्षन पर 'वयस्क फिल्में' दिखाने के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रकट करते हुए किस प्रतिष्ठित समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखें।

प्र0 5 **(i)** संक्षिप्त उत्तर लिखें। **[1x5=5]**

(क) प्रिंट माध्यम की कोई दो विषेषताएँ बताएँ।

(ख) एंकर विजुअल किसे कहते हैं?

(ग) एनकोडिंग से आप क्या समझते हैं?

(घ) 'फ्लैष' किसे कहते हैं?

(ङ) पत्रकार किसे कहते हैं?

(ii) 'आखों देखा जल प्रलय' अथवा 'कृषि' क्षेत्र की चुनौतियाँ' विषय पर आलेख लिखें। **[5]**

प्र0 6 'चुनावी वायदों का सपनीला सच' अथवा 'जंक फुड' विषय पर फीचर का आलेख लिखें। **[5]**

खण्ड – ग साहित्य प्रष्न

प्र0 7 नीचे लिखे पद्यांष को आधार करके प्रष्नोत्तर करें । **[2x4=8]**

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने।
बाहर भीतर
इस घर उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने?

(क) कविता एक खिलना है, फूलों के बहाने ऐसा क्यों ?

(ख) कविता रचने और फूल खिलने में क्या साम्यता है?

(ग) बिना मुरझाए कौन कहाँ महकता है?

(घ) कविता का खिलना भला फूल क्या जाने! पंक्ति का आषय स्पष्ट करें।

अथवा

झूमने लगे फल,
रस अलौकिक
अमृत धाराएँ फूटतीं
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से जरा भी कम नहीं होती।
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना।

(क) 'अलौकिक अमृत धाराएँ फूटतीं' कब, कहाँ और क्यों फूटती है?

(ख) लुटते रहने से भी क्या कम नहीं होता और क्यों?

(ग) रस का अक्षय पात्र किसे कहा गया है और क्यों?

(घ) कवि यहाँ खेतों से किसकी तुलना कर रहे हैं और क्यों?

8. नीचे लिखे काव्यांष को पढ़कर षिल्प संबंधी प्रष्नों के उत्तर लिखें–

प्रभु प्रलाप सुनि कान विकल गए वानर निकर **[2x3=6]**
आइ गयउ हनुमान जिमि करूना मँह बीर रस

(क) काव्यांष में प्रयुक्त छंद का नाम एवं उसके लक्षण के बारे में बताएँ।

(ख) काव्यांष में प्रयुक्त अर्थालंकार के सौंदर्य को स्पष्ट करें।

(ग) काव्यांष के भाषा –षिल्प पर प्रकाष डालें

सचमुच मुझे दण्ड दो कि हो जाउँ
पाताली अंधेरे की गुहाओं में , विवरों में
धुएँ के बादलों में
बिलकुल मैं लापता
लापता कि वहाँ भी तो तुम्हारा ही सहारा है

(क) काव्यांष के भाषा – वैषिष्ट्य पर प्रकाष डालें।
(ख) काव्यांष में प्रयुक्त दो प्रतीकों के प्रयोग–सौंदर्य को स्पष्ट करें।
(ग) काव्यांष में प्रयुक्त 'तुम्हारा' की व्यंजना को स्पष्ट करें।

9. किन्हीं दो प्रष्नों के उत्तर लिखें– **[3x2=6]**

(क) 'बगुलों के पंख' कविता का बिम्ब सौंदर्य स्पष्ट करें।
(ख) फिराक गोरखपुरी की गज़ल का केन्द्रीय भाव स्पष्ट करें।
(ग) धूत कहौं अवधूत कहौ..... छंद के आधार पर तुलसीदास के भक्तहृदय की विषेषता पर टिप्पणी करें।

10. गद्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रष्नों के उत्तर लिखें – **[2x4=8]**

जातिप्रथा के पोषक जीवन, षारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे किन्तु मनुष्य के सक्षम एवं प्रभावषाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे क्यों कि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी को नहीं है, तो उसका अर्थ उसे 'दासता' में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को नहीं कहा जा सकता। 'दासता' में वह स्थिति भी सम्मिलित होती है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार तथा कर्त्तव्य का पालन करने के लिए विवष होना पड़ता है। यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है। उदाहरणार्थ, जाति प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना संभव है जहाँ कुछ लोगों को अपनी इच्छा के विरूद्ध पेषे अपनाने पड़ते हैं।

(क) लेखक के अनुसार जाति–प्रथा के समर्थक किन अधिकारों को देने के लिए राजी हो सकते हैं और किन्हें नहीं?
(ख) 'दासता' के दो लक्षण स्पष्ट करें।
(ग) व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता न दिए जाने पर लेखक ने क्या संभावना व्यक्त की है? स्पष्ट करें।
(घ) 'जाति प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना' से अंबेदकर जी का क्या आषय है?

अथवा

जब साफ़िया की बात खत्म हो गई तब पुड़िया को उन्होंने दोनों हाथों में उठाया, अच्छी तरह लपेटा और खुद साफ़िया के बैग में रख दिया। बैग साफ़िया को देते हुए बोले– 'मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुजर जाती है कि कानून हैरान रह जाता है।' वह चलने लगी तो वे खड़े गए और कहने लगे,
'' जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा और उन खातून को यह नमक देते वक्त मेरी तरफ से कहिएगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा, तो बाकी सब रफ़्ता रफ़्ता ठीक हो जाएगा"।

(क) पुड़िया में ऐसा क्या था जो कहानी बन गया? संक्षेप में बताएँ।
(ख) 'जामा मस्जिद' की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा' आषय स्पष्ट करें।

(ग) 'बाकी सब रफ़्ता–रफ़्ता ठीक हो जाएगा।' पक्ष या विपक्ष में तर्क दें।

(घ) नमक ले जाना प्रतिबंधित होने पर भी कस्टम अधिकारी ने अनुमति क्यों दे दी? तर्क सहित उत्तर दें।

11. किन्हीं चार प्रष्नों के उत्तर लिखें– **[3x4=12]**

(क) डा0 अंबेदकर के आदर्ष समाज की कल्पना में 'भातृता' का महत्व स्पष्ट करें।

(ख) 'हाय वह अवधूत कहाँ है।' ऐसा कहकर लेखक ने आत्मबल पर देहबल के वर्चस्व की वर्तमान सभ्यता के संकट की ओर संकेत किया है । कैसे?

(ग) चार्ली की फिल्मों में निहित त्रासदी/करूणा / हास्य का सामंजस्य भारतीय कला और सौंदर्यषास्त्र की परिधि में क्यों नहीं आता?

(घ) गाँव में महामारी फैलने और अपने बेटों के देहांत के बावजूद लुट्टन पहलवान ढोलक क्यों बजाता रहा?

(ङ) रिष्तों में हमारी भावना षक्ति का बँट जाना विष्वासों के जंगल में सत्य की राह खोजती हमारी बुद्धि की षक्ति को कमजोर करती है। 'काले मेघा पानी दे' के लेखक और जीजी के संदर्भ में कथन का औचित्य स्पष्ट करें।

12. महिलाओं के अधिकारों और जीवन षैली के बारे में एन फ्रैंक के विचारों की समीक्षा जीवनमूल्यों के आधार पर कीजिए। **[5]**

13. (क) 'सिंधु–घाटी–सभ्यता एक लो प्रोफाइल सभ्यता थी।' पाठ के आधार पर प्रमाणिक करें। **[5]**

(ख) 'जूझ' कथा वर्तमान युवापीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत साबित हो सकती है।' कैसे? सतर्क बताएँ। **[5]**